

SHRI GAUTAM GAMBHIR

Shri Gautam Gambhir is a veteran former cricketer. He is one of the most complete batsmen who opened well in all three forms of the games-Test matches, ODIs and T20s. He is known as the star opener of the Indian Cricket Team.

2. Born on October 14, 1981, Shri Gambhir is a quintessential sportsperson – patriotic, confident and determined. These attributes combined to propel him towards playing a vital part in two World Cup victories for India. In 2007 India won the inaugural T20 World Cup beating Pakistan in the final in Johannesburg. He scored 75 runs which were the highest of the game.

3. Shri Gambhir's second illustrious moment came when he carried billion hopes on his shoulders and led India to another World Cup win in 2011. History was against India as a host nation had never won a World title in the past. But champions like him believe in writing history of their own. On April 2nd, 2011, India became world champion once again with his finishing as top scorer in the finals scoring 97 brave runs.

4. When the scene shifts to Test cricket there are a few parallels to Shri Gambhir. A major proof of that came in 2009 when India toured New Zealand in the backdrop of adages "Lions at Home, Lambs Abroad". India was up by 1-0 after the first Test match but New Zealand hit them hard in the second game at Napier. Forced to follow on, the left-hander summoned courage, patience and powers of concentration scoring 137 determined runs. More importantly he faced 436 balls for his innings spread over 10 hours and 43 minutes. This innings was the second longest knock by any Indian outside the sub-continent and ensured India's precious 1-0 series lead stood intact.

5. In the third and the last Test Match he pasted another epic hundred, this time a 167. He finished the series with a personal tally of 445 runs in 6 innings with an average of 89. India won the series by 1-0, a series win that came in New Zealand after 46 long years. He was well-rewarded for his efforts when he was adjudged ICC Test player of the year for 2009.

6. Apart from Shri Gambhir's batting skills, his leadership ability too was shining through his tough exterior. In his second match as captain, he scored an unbeaten 138, racing to his hundred off just 89 balls – fastest hundred by an Indian captain. In the next match at Vadodara, he scored an unbeaten 126. The eventual series result was that India beat New Zealand by 5-0 in the home series and the captain was adjudged player of the series.

7. Shri Gambhir showed his exceptional leadership qualities in IPL too. He led the Kolkata Knight Riders team to two titles in 2012 and 2014. The year 2014 was a particular standout season as KKR won nine consecutive IPL matches in a row.

8. On December 9th, 2018, Shri Gambhir decided to draw curtains to his career. In his farewell speech Gambhir talked about various high points but most importantly he thanked the supporters of Indian cricket, underlining the people's man that he is.

श्री गौतम गंभीर



श्री गौतम गंभीर एक अनुभवी पूर्व क्रिकेटर हैं। आप अत्यधिक सक्षम बैट्समैन हैं जिन्होंने खेल के तीनों रूपों – टेस्ट मैच, ओडीआई और टी टवेन्टी में पारी की शुरुआत की है। आप भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर के रूप में जाने जाते हैं।

2. आपका जन्म 14 अक्तूबर, 1981 में हुआ था। आप एक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी – देशभक्त, साहसी और दृढ़ संकल्पित व्यक्ति हैं। आपके इन सभी गुणों ने भारत के लिए दो विश्व कप जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में मदद की। वर्ष 2007 में भारत ने जोहान्सबर्ग में फाइनल मैच में पाकिस्तान को हराकर पहला टी टवेन्टी विश्व कप जीता।

3. श्री गंभीर का दूसरा शानदार क्षण तब आया जब आपने अपने कंधों पर जिम्मेदारी लेकर वर्ष 2011 में भारत को दूसरी विश्व कप जीत दिलाई। इतिहास भारत के प्रतिकूल था क्योंकि विगत में किसी भी आयोजक राष्ट्र ने विश्व कप कभी नहीं जीता था। किंतु आप जैसे चैम्पियन अपना इतिहास खुद लिखने में विश्वास करते हैं। भारत एक बार फिर दिनांक 02 अप्रैल, 2011 को चैम्पियन बना और आपने उस फाइनल मैच में सर्वाधिक 97 रन बनाए।

4. जब बात टेस्ट क्रिकेट की होती है तो आप सरीखे कुछ ही खिलाड़ी मिलते हैं। इस बात का प्रमाण वर्ष 2009 में मिला जब भारत ने ''घर में शेर, बाहर भेड़'' कहावत की पृष्ठभूमि में न्यूजीलैड का दौरा किया। भारत पहले टेस्ट मैच के बाद 1-0 से आगे था किंतु न्यूजीलैंड ने नैपियर में दूसरे मैच में कड़ा प्रहार किया। फैलो ऑन के लिए बाध्य होने पर, बाएं हाथ के बैट्समैन ने साहस, धैर्य, एकाग्रता की शक्तियां दिखाकर शानदार 137 रन बनाए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि आपने 10 घंटे और 45 मिनट की अपनी इनिंग में 436 गेंदों का सामना किया। यह इनिंग उप महाद्वीप के बाहर किसी भी भारतीय द्वारा दूसरा सर्वाधिक स्कोर वाली थी और इससे सीरीज में भारत की महत्वपूर्ण 1-0 की बढ़त बरकरार रही।

5 तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच में आपने 167 रन बनाकर एक और शानदार शतक जड़ा। आपके सीरीज में छह इनिंग में 445 रन बने और 89 रन का औसत प्राप्त हुआ। भारत ने इस सीरीज को 1-0 से जीता। यह सीरीज जीत न्यूजीलैंड में 46 वर्ष के लंबे इंतजार के बाद मिली। आपको इसके लिए समुचित पुरस्कार दिया गया जब आपको वर्ष 2009 के लिए वर्ष का आईसीसी टेस्ट प्लेयर घोषित किया गया।

6. आपके बैटिंग कौशल के अलावा, दृढ़ सोच के साथ आपकी नेतृत्व क्षमता भी निखरी। कप्तान के रूप में दूसरे मैच में आपने नाबाद 138 रन बनाए और मात्र 89 गेंदों में अपना शतक जड़ा जो कि किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा सबसे तेज गति से बनाया गया शतक था। बड़ोदरा में अगले मैच में, आपने नाबाद 126 रन बनाए। सीरीज का अंतिम परिणाम यह रहा कि भारत ने होम सीरीज में न्यूजीलैंड को 5-0 से हराया तथा कप्तान को प्लेयर ऑफ द सीरीज घोषित किया गया।

7. आपने आईपीएल में भी अपनी असाधारण नेतृत्व क्षमता दिखाई। आपने कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम को वर्ष 2012 और 2014 में दो बार जीत दिलाई। वर्ष 2014 एक विशेष सीजन था क्योंकि केकेआर ने लगातार नौ आईपीएल मैच जीता।

8. आपने 09 दिसम्बर, 2018 को अपने करियर को विराम देने का निर्णय लिया। अपने विदाई भाषण में आपने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में बात की किंतु सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि आपने भारतीय क्रिकेट के समर्थकों को धन्यवाद दिया जो आपके जनप्रिय व्यक्ति होने को दर्शाता है।